बी.ए. पार्ट–III परीक्षा–2013

राजस्थानी

परीक्षा योजना

दो प्रश्न पत्र	न्यूनतम उत्तीर्णांक 72	अधिकतम अंक – 200
प्रथम प्रश्न पत्र	समय : 3 घंटे	अंक – 100
द्वितीय प्रश्न पत्र	समय : 3 घंटे	अंक – 100

प्रथम प्रश्न पत्र – प्राचीन राजस्थानी काव्य

समय – 3 घंटे **पूर्णांक – 100**

पाठ्यपुस्तकें एवं अध्ययन क्षेत्र

पाठ्यपुस्तकें

1. ढोला मारू रा दूहा	:	(स) डा. मनोहर शर्मा
2. गोरा बादिल चरित्र	:	(स) मुनि जिनविजय

विशिष्ट अध्ययन

1. प्राचीन राजस्थानी काव्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा – प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार
2. प्रमुख रस, राजस्थानी छन्द एवं काव्य दोष ।

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

इकाई 1

भाग अ : अतिलघूतरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नही (10 प्रश्न : शब्द सीमा 15 शब्द अधिकतम) 1X10 = 10 अंक

भाग ब : दो लघूतरात्मक प्रश्न – दोनों पाठ्यपुस्तकें में से एक-एक प्रश्न कोई आंतरिक विकल्प नही (2 प्रश्न :शब्द सीमा 100 शब्द प्रत्येक प्रश्न) 2X 5 = 10 अंक

इकाई 2

कुल चार व्याख्याएं- पाठ्यपुस्तकों पर आधरित
दो व्याख्याएं (ढोला मारू रा दूहा – प्रथम 100 दूहा) आंतरिक विकल्प सहित
दो व्यख्याएं (गोरा बादिल चरित्र-प्रथम 150 छन्द) आन्तरिक विकल्प सहित 4X 5 = 20 अंक

इकाई 3

ढोला मारू रा दूहा' से आलोचनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित
(अधिकतम शब्द सीमा : 500 शब्द) 20 अंक

इकाई 4

'गोरा बादिल चरित्र' से आलोचनात्मक प्रश्न – आन्तरिक विकल्प सहित
(अधिकतम शब्द सीमा : 500 शब्द) 20 अंक

इकाई 5

भाग 'अ' प्राचीन राजस्थानी काव्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा, : प्राचीन राजस्थानी रचनाएं एवं रचनाकार परिचयात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित

(शब्द सीमा : 200 शब्द) 1X 10 = 10 अंक

भाग 'ब' : रस, छंद एवं काव्य दोष

1. प्रमुख रस - सामान्य परिचय
2. प्रमुख राजस्थानी छंद : दूहा भेदों सहित, वेलियो, छोटा साणोर, झमाल,पद्वडिया,कवित्त।
3. राजस्थनी काव्य दोष : छबकाळ,अंधदोष, अपस्, अमगळ, बेहरो, जाति विरूद्व, निनंग : परिचय एवं उदाहरण 10 अंक

पाठ्यपुस्तकें :

1. ढोला मारू रा दूहा : (सं.) डा. मनोहर शर्मा
   प्रकाशक: राजस्थानी जनहित प्रन्यास, गंगाशहर, बीकानेर
2. गोरा बादिल चरित्र : (सं.) मुनि जिनविजय
   प्रकाशक : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रति ठान, जोधपुर।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. अलंकार परिजात : डा. नरोतम स्वामी
2. रघुनाथ रूपक : महताब चंद खारेड़
   प्रकाशक: साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली

नोट : इनके अतिरिक्त द्वितीय प्रश्न पत्र के साथ उल्लेखित अभिप्रस्तावित गंथ प्रथम प्रश्न पत्र के लिए भी उपयोगी है।

द्वितीय प्रश्न पत्र - राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं निबंध

समय : 3 घंटे **पूर्णांक 100**

अध्ययन क्षेत्र

1. राजस्थानी भाषा का उद्भव एवं विकास, राजस्थानी लिपि का ज्ञान ।
2. राजस्थानी साहित्य का काल विभाजन - आदिकाल, पूर्वमध्यकाल, उतरमध्यकाल, आधुनिक काल - युगीन परिवेश, प्रवृत्तियां. रचनाएं एवं रचनाकार।
3. राजस्थानी लोकसाहित्य : लोक साहित्य - सामान्य परिचय : राजस्थानी लोक साहित्य की विधाएं - लोक कथा, लोकगीत, लोकनाट्य, लोकोक्तियां ।
4. राजस्थानी भाषा में निबन्ध लेखन ।

नोट :- इस प्रश्न पत्र हेतु किसी पाठ्यपुस्तक का निर्धारण नही किया गया है ।

इकाई विभाजन

इकाई 1

राजस्थानी भाषा का उद्‌भव एवं विकास - राजस्थानी लिपि (मुडिया लिपि) का सामान्य ज्ञान।

इकाई 2

राजस्थानी साहित्य का आदिकाल एवं पूर्वमध्यकाल-युगीन परिस्थितियां, प्रवृतिया,रचना एवं रचनाकार ।

इकाई 3

राजस्थानी साहित्य का उतरमध्यकाल एवं आधुनिक काल -युगीन परिस्थितियां. प्रवृतिया, रचना एवं रचनाकार, काव्य धाराएं एवं गद्य विधाएं ।

इकाई 4

राजस्थानी लोक साहित्य - सामान्य परिचय, लोक साहित्य की विधाएं-लोक कथा लोकगीत, लोकनाट्य, लोकोक्तियां ।

इकाई 5

राजस्थानी भाषा में निबन्ध लेबन्ध लेखन (पांच वकल्पों में किसी एक विषय पर)

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

प्रश्न सं. 1

भाग 'अ' अतिलघूतरात्मक प्रश्न कुल 10 प्रश्न - कोई आन्तरिक विकल्प नही
(शब्द सीमा : 15 शब्द अधिकतम) 2X 5 = 10 अंक

भाग 'ब' लघूतरात्मक प्रश्न- 2 प्रश्न कोई आन्तरिक विकल्प नही
(शब्द सीमा : 100 शब्द प्रत्येक प्रश्न) 2X 5 = 10 अंक

विशेष (भाग 'अ' और 'ब' के प्रश्न इकाई 1 से 4 में पूछें जाऐगे)

प्रश्न सं. 2 : विस्तृत प्रश्न - इकाई सं. 1 में से आन्तरिक विकल्प सहित
(शब्द सीमा 400 शब्द) 15 अंक

प्रश्न सं. 3 : विस्तृत प्रश्न - इकाई सं. 2 में से आन्तरिक विकल्प सहित
(शब्द सीमा 400 शब्द) 15 अंक

प्रश्न सं. 4 : विस्तृत प्रश्न - इकाई सं. 3 में से आन्तरिक विकल्प सहित
(शब्द सीमा 400 शब्द) 15 अंक

प्रश्न सं. 5 : विस्तृत प्रश्न - इकाई सं. 4 में से आन्तरिक विकल्प सहित
(शब्द सीमा 400 शब्द) 15 अंक

प्रश्न सं. 6 : राजस्थानी भाषा में निबंध - पांच विकल्पों में से किसी विषय पर
(शब्द सीमा 300 शब्द) 15 अंक

अभिप्रस्तावित ग्रथ

राजस्थानी भाषा : डा. सुनीति कुमार चाटुर्ज्या साहित्य संस्थान.उदयपूर

पुरानी राजस्थानी : एल. पी. टैसीटरी (अनु) डा. नामवर सिंह

राजस्थान का भाषा सर्वेक्षण : जार्ज ए. ग्रियर्सन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर

राजस्थानी भाषा और साहित्य : डा.मोती लाल मेनारिया, साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

राजस्थानी भाषा और परिचय : नरोतमदास स्वामी

राजस्थानी सबद कोस (प्रथम खं.) (सं.) : सीताराम लालस (प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौ. जोधपुर)

डिंगल साहित्य : डा. गोवर्द्धन शर्मा

राजस्थानी व्याकरण : सीता राम लालस

राजस्थानी लोक साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन : डा. सोहनदान चारण

लोक साहित्य विज्ञान : डा. सत्येन्द्र

लोक साहित्य की भूमिका : डा.क भणदेव उपाध्याय

राजस्थान का लोक साहित्य : नानूराम संस्कर्ता

आधुनिक राजस्थानी साहित्य : प्रेरणा, स्त्रोत एवं प्रवृतिया : डा. किरण नाहटा

राजस्थानी भाषा और उसकी बोलियां : डा. देव कोठारी प्रकाशक : साहित्य संस्थान, उदयपुर

नोट : प्रथम प्रश्न पत्र में उल्लेखित अभिप्रस्तावित ग्रथ इस पत्र के लिए भी उपयोगी है ।